महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. – जवासिया, उज्जैन – 456006 (म.प्र.)
Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan
(Ministry of Education, Govt. of India)
Ved Vidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasia, Ujjain – 456006 (M.P.)

पत्र.सं.17-1/2024(प्र &वि)/मसारावेविप्र/ दिनांक: 23/01/2025

कार्यालय आदेश – 1610

विषय : प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित किए जाने वाले अखिल भारतीय/क्षेत्रीय वेद सम्मेलनों एवं वेद शोभा यात्रा के सुचारू संचालन हेतु दिशा निर्देश-

प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित किए जाने वाले **अखिल भारतीय/क्षेत्रीय वेद सम्मेलनों में उपस्थित होने** वाले वेदपाठशालाओं / गुरू-शिष्य परम्परा इकाई वेद अध्यापकों एवं सम्मेलन/ संगोष्ठी आयोजित करने वाली संस्थाओं को अधोलिखित निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है ।

1. वेद सम्मेलन आयोजित करने वाली संस्थाएं सम्मेलन से एक सप्ताह पूर्व प्रतिदिन सम्मेलन स्थल के आस-पास के नगर क्षेत्रों, ग्रामीण क्षेत्रों में एक आटो अथवा स्वयं की सुविधानुसार वाहन लेकर सम्मेलन का प्रचार-प्रसार करें ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें सम्मेलन के दिनों में वेदपाठ सुनने के लिए आमंत्रित कर बुलाएं । समाज के विविध लोगों को भी जोडना अनिवार्य है । आसपास के वेद बटुकों, जो प्रतिष्ठान से नहीं भी जुडें हों उन को भी जोडें, शोभायात्रा में जरूर शामिल करें ।
2. वेद शोभायात्रा के हेतु एवं संचालित मार्ग के विषय में स्थानीय पुलिस प्रशासन से अनुमति एवं सुरक्षा अवश्य लें। अन्यथा शोभायात्रा नहीं होगी।
3. स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय मठों के वेद अभिमानी साधु सन्तों, विश्वविद्यायों के आचार्यों, अध्यापकों, शोधार्थियों को भी जोडे, वेद शोभायात्रा में जरूर शामिल करें ।
4. वेद सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मौखिक सस्वर वेदपाठ परम्परा, सस्वर वैदिक शिक्षा, वेद में निहित ज्ञान को जनमानस तक पहुंचाना हैं । अत: वेदसम्मेलन में वेद पारायण एवं अन्य वेद कार्यक्रम हेतु उपस्थित सभी वैदिक, एवं संस्था द्वारा निमन्त्रित व्यक्तिगण की भी आयोजित होने वाले वेद संदेश यात्रा, वेद व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समय पर उपस्थिति अनिवार्य है ।
5. वेद शोभा यात्रा में सजा हुआ रथ आकार में एक वाहन आगे रहेगा, दूसरा वाहन मध्य में, तीसरा वाहन पीछे रहेगा। इन में आयोजक संस्था एवं प्रतिष्ठान का नाम लिखा रहेगा। एक या दो वाहनों में वेदपाठी बैठकर वेदपाठ करेंगे । इस हेतु पूर्व में प्रशिक्षित करना है, तैयारी करनी होगी कि प्रत्येक वेद का किन मन्त्रों, सूक्तों का शोभायात्रा में पारायण होगा, कौन गुरु करेंगे आदि। मूत्रविमोचनम्, कृत्यानाशनम् , मरण समय में पठनीय मन्त्रों का पाठ न करें।
6. शोभायात्रा में वेदों में निहित राष्ट्र रक्षा, राष्ट्र कल्याण, जन कल्याण, राष्ट्रीय एकता, मातृभूमि की रक्षा, सुख संपदा, जल सुरक्षा, गोवंश की रक्षा, विविध लोगों में परस्पर समरसता आदि सकारात्मक (पीपुल् कनेन्क्ट, पाजिटिव लाईफ कलेक्ट) संदेशों को जनमानस में उजागर करने के लिए लगातार वेद सम्बन्धी नारे लगाए जाएंगे । इस हेतु पूर्व में ही सही से प्रशिक्षित करना है । जाति, धर्म, मत, राजनीति के विषयों में कोई नारे न बोलें। पूर्ण अनुशासित रहे। लोगों को नारे स्पष्ट सुनने में आवें। स्थानीय भाषा में भी नारे लगाने होंगे।स्थानीय

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो.ऑ. – जवासिया, उज्जैन – 456006 (म.प्र.)
Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthan
(Ministry of Education, Govt. of India)
Ved Vidya Marg, Chintaman Ganesh, P.O. Jawasia, Ujjain – 456006 (M.P.)

भाषा में भी नारे लगाने हेतु पहले से ही प्रशिक्षण देना होगा। वेद सम्बन्धी नारे लगाने के लिए कम-से-कम एक या दो डिजिटल माइक रहना जरूरी है । शंख, घंटा, घड़ियाल तथा अन्य शास्त्रीय वाद्य यन्त्र शोभायात्रा में रहना आवश्यक है ।

23.1.2025

(प्रो. विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल्)
सचिव

प्रतिलिपि:(1) समस्त वेदपाठशाला / गुरू-शिष्य परम्परा इकाई अध्यापकों को सूचनार्थ एवं पालनार्थ ।
(2) वेद सम्मेलन आयोजक संस्थाओं को सूचनार्थ एवं पालनार्थ ।
(3) संबंधित पत्रावली ।
(4) कार्यालय आदेश पत्रावली ।
(5) वेब साईट पर सूचनार्थ

Tele : 0734-2502266, 2502254, 2502255 Fax : 0734-2502266
E-mail :msrvvpujn@gmail.com Website : msrvvp.ac.in